

गरवी गुजरात

PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW, AHMEDABAD, SURAT

वर्ष : 02
अंक : 193
दि. 14.11.2026,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा
LUACKNOW EDITION

केंद्र का ध्यान मध्यम वर्ग की बचत बढ़ाने पर है, बेंगलुरु का विकास हमारी प्राथमिकता : पीएम मोदी

(जीएनएस)।

बेंगलुरु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार की कोशिश इस बात पर केंद्रित है कि मध्यम वर्ग अधिक बचत कर सके। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बेंगलुरु का विकास और यहां आधुनिक बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) का विस्तार केंद्र सरकार की प्राथमिकताएं हैं। प्रधानमंत्री मोदी आईआईएम बेंगलुरु के ऑडिटोरियम में 15,600 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और शुभारंभ करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की 'सिलिकॉन वैलीइ के रूप में मशहूर बेंगलुरु ने देश के आईटी निर्यात में बहुत बड़ा योगदान दिया है। यह नवाचार (इनोवेशन) तथा विकास के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है। पीएम मोदी ने कहा कि इसलिए, बेंगलुरु की प्रगति और यहां आधुनिक बुनियादी ढांचे का विस्तार केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। आज का दिन बेंगलुरु और कर्नाटक की विकास यात्रा को एक नई गति देगा। उन्होंने इसकी वजह कनेक्टिविटी और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी 15,000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की शुरूआत को बताया।

उन्होंने कहा कि किसी भी देश के विकास में बुनियादी ढांचे की अहम भूमिका होती है, जो रोजगार और आर्थिक अवसर पैदा करता है। जब विकास का लाभ समाज के सबसे निचले स्तर तक पहुंचता है, तो गरीबी के खिलाफ लड़ाई को भी मजबूती मिलती है। हाल के वर्षों में लगभग 50 करोड़ लोग घोर गरीबी से बाहर आए हैं। शुक्रवार को शुरू की गई परियोजनाएं विकास की इस यात्रा को और मजबूत करेंगी। एक 'विकसित कर्नाटकइ के साथ, हम एक 'विकसित भारतइ को नई गति देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह पहला ऐसा कार्यक्रम है, जिसमें वे कर्नाटक की राज्यपाल डॉ. सुधा यादव के साथ मंच साझा कर रहे हैं। उन्होंने उनके परिवार के बलिदानों को याद करते हुए बताया कि उनके पति कारगिल युद्ध के दौरान शहीद हो गए थे। उसके बाद भी उन्होंने देश की सेवा जारी रखी।

उन्होंने कहा कि संसद में अपने कार्यकाल के दौरान सुधा यादव ने कई मुद्दों पर देश का मार्गदर्शन किया था, और अब वे कर्नाटक की शांति और समृद्धि में योगदान दे रही हैं।

उन्होंने कहा कि हाल ही में शुरू



की गई 'पिंक लाइनइ मेट्रो से आईआईएम-बैंगलोर और अन्य शैक्षणिक संस्थानों तक कनेक्टिविटी बेहतर होगी, साथ ही यह शहर के महत्वपूर्ण व्यावसायिक और व्यापारिक केंद्रों को भी जोड़ेगी। बेंगलुरु के लाखों निवासियों को इस नई मेट्रो लाइन से फायदा होगा, क्योंकि इससे उनका समय और पैसा दोनों बचेगा।

गुरुवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय अनंत कुमार की पुण्यतिथि मनाई गई। उन्हें याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा के इस नेता का इस क्षेत्र से विशेष जुड़ाव था और वे मेट्रो नेटवर्क के विस्तार को देखकर बहुत खुश होते। अनंत कुमार ने बेंगलुरु दक्षिण लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था।

इनम्मा मेट्रोइ के लिए केंद्र सरकार के सहयोग का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 2014 में बेंगलुरु का मेट्रो नेटवर्क लगभग 17 किलोमीटर का था, जो अब 100 किलोमीटर के आंकड़े को पार कर गया है। दिल्ली-एनसीआर और मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के बाद, बेंगलुरु देश का तीसरा ऐसा शहर बन गया है, जहां मेट्रो नेटवर्क 100 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है। 'नम्मा मेट्रोइ परियोजना की सफलता यह दशार्ती है कि सरकार मध्यम वर्ग के लिए जीवन को आसान बनाने और यात्रा को सुविधाजनक बनाने पर विशेष ध्यान दे रही है।

इससे पहले, अपने भाषण के दौरान मुख्यमंत्री शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया था कि अन्य शहरों

पीएम मोदी ने किया देश के पहले एलईडी डोम तारामंडल का उद्घाटन, 4.2 करोड़ एलईडी से सजेगा आसमान

(जीएनएस)।

मैसूरु (कर्नाटक), प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 'कॉसमॉस मैसूरु प्लेनेटेरियमइ का उद्घाटन किया। यह भारत का पहला एलईडी डोम तारामंडल है। यह देश में तारामंडल तकनीक और खगोल विज्ञान की शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी प्रगति है। 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्सइ (आईआईए) द्वारा बनाई गई इस अत्याधुनिक सुविधा का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी ने इमारत के प्रवेश द्वार पर रिबन काटकर किया। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, राज्यपाल सुधा यादव, मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मैसूर-कोडागु से भाजपा सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

उद्घाटन के बाद निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री मोदी को इस तारामंडल की विशेषताओं के बारे में बताया और उन्हें पूरी सुविधा का दौरा कराया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने 'स्काई थियेटरइ का दौरा किया। यहां उन्होंने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ बैठकर एक शो देखा। उन्होंने लद्दाख से आए विशेषज्ञ, खगोलविदों और



अंतरिक्ष वैज्ञानिकों से भी बातचीत की।

खगोल विज्ञान की शिक्षा और प्रशिक्षण केंद्र के रूप में परिकल्पित 'कॉसमॉस-मैसूरइ चामुंडी पहाड़ियों की तलहटी में मैसूर विश्वविद्यालय परिसर में स्थित है।

इस सुविधा में 15 मीटर का झुका हुआ डोम है, जिसमें लगभग 6,150 पैनल लगे हैं और इनमें कुल 4.2 करोड़ एलईडी का इस्तेमाल किया गया है।

पारंपरिक तारामंडलों (प्लेनेटेरियम) के विपरीत 'कॉसमॉस-मैसूरइ में लगे एलईडी पैनलों को रियल-टाइम में नियंत्रित किया जा सकता है। इससे एक शानदार विजुअल अनुभव मिलता है और खगोल विज्ञान की शिक्षा के लिए नई संभावनाएं खुलती हैं।

इस्काई थियेटरइ में पेशेवर रूप से तैयार किए गए खगोल विज्ञान कार्यक्रम दिखाए जाएंगे। इसके साथ ही, यहां एक ऐसी फिल्म भी दिखाई जाएगी जो मैसूरु के इतिहास और खगोल विज्ञान के बीच के संबंध को दशार्ती है। ये शो कन्नड़, अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में उपलब्ध होंगे।

इस केंद्र में प्रदर्शनी हॉल, खगोल विज्ञान से जुड़े मॉडल और कलाकृतियों वाला संग्रहालय, लेक्चर हॉल, प्रशिक्षण केंद्र और इंटरैक्टिव आउटडोर प्रदर्शनी भी होंगी।

इकॉसमॉस-मैसूरुइ की गतिविधियां 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्सइ (भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान) द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों में सहायक होंगी। इनमें भारत भर में और अंतरिक्ष में मल्टी-वेवलेंथ टेलीस्कोप सुविधाओं का संचालन, भविष्य की खगोलीय सुविधाओं का विकास, और राष्ट्रीय स्तर के आउटरीच कार्यक्रम शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 14 को मेरठ में, कुलवंत सिंह स्टेडियम में रैली को करेंगे संबोधित

मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार 14 नवंबर को मेरठ आएंगे।



मुख्यमंत्री यहां सवा दो घंटे के प्रवास करेंगे। उनका हेलीकाप्टर से दोपहर 12 बजे रिमाउंट एंड वेटरनरी कार्प्स सेंटर एंड कालेज के पास स्थित सैन्य हेलीपैड पहुंचेगा। यहां से कार द्वारा माल रोड पर कुलवंत सिंह स्टेडियम पहुंचेंगे, जहां वे पूर्व सैनिकों की रैली को संबोधित करेंगे।

दोपहर एक बजे लंच के बाद वह कार द्वारा शास्त्री नगर ए ब्लाक स्थित राज्यमंत्री डा. सोमेंद्र तोमर के निवास पर भी शोक जताने जाएंगे। यहां से वह चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर स्थित हेलीपैड पर पहुंचेंगे।

'वो प्रधानमंत्री नहीं रह पाएंगे', राहुल गांधी ने पीएम मोदी को दिए डिबेट के चैलेंज पर अब क्या कहा?

(जीएनएस)।

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुली बहस की चुनौती दी है. इंस्टाग्राम पर एक यूजर के सवाल का जवाब देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने संसद में कई मुद्दों पर बहस करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें बोलने का मौका नहीं दिया गया. उनका आरोप है कि कई मौकों पर उनका माइक बंद कर दिया गया. राहुल ने कहा कि वह प्रधानमंत्री के साथ आमने-सामने बहस करने के लिए तैयार हैं. इसके लिए भाजपा अपनी पसंद का कोई भी व्यक्ति जज के रूप में चुन सकती है.उन्होंने दावा किया कि इस बहस के बाद प्रधानमंत्री मोदी प्रधानमंत्री नहीं रह पाएंगे.

इंस्टाग्राम पर एक यूजर ने राहुल गांधी से पूछा था कि भाजपा उन्हें संसद में बहस करने के लिए कह रही है. इस पर राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने संसद में कई बार बहस करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें बोलने नहीं दिया गया. राहुल ने कहा, "मैंने किसान बिल पर बात करने की कोशिश की, लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया गया. मैंने एसआईआर और चीन के मुद्दे पर बोलने की कोशिश की. मैंने नरवणे की किताब पर बहस करने के लिए कहा, लेकिन मुझे मौका नहीं दिया गया."



अडानी और मोहन भागवत को भी जज बना सकती है भाजपा

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ आमने-सामने बहस करने की इच्छा जताते हुए कहा कि वह किसी भी मंच पर इस बहस के लिए तैयार हैं. उन्होंने कहा कि भाजपा चाहे तो अडानी और मोहन भागवत को भी बहस के दौरान जज के रूप में बैठा सकती है. राहुल गांधी ने दावा किया, "मैं वन ऑन वन डिबेट करना चाहता हूं. वे जज के रूप में किसी को भी रख सकते हैं।

भारत समेत दुनिया भर में ठप पड़ीं माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं, आउटलुक और टीम्स इस्तेमाल नहीं कर पाए यूजर्स

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, भारत समेत दुनिया भर में माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं ठप पड़ गई, जिसके कारण यूजर्स आउटलुक और टीम्स जैसे प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल नहीं कर पाए। यूजर्स को इन प्लेटफॉर्म्स में भारी आउटेज का सामना करना पड़ा है।

आउटेज-ट्रैकिंग वेबसाइट 'डाउनडिटेक्टर डॉट कॉमइ पर आउटलुक से जुड़ी समस्याओं की 1 लाख से अधिक रिपोर्ट दर्ज की गईं। इस रुकावट का असर ओपनएआई और एंथ्रोपिक की एआई सेवाओं में इस्तेमाल होने वाले कनेक्टर्स पर भी पड़ा।

माइक्रोसॉफ्ट ने एक बयान में कहा, हम इस समस्या के असर को कम करने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं।" कंपनी ने यह भी बताया कि वह अपने एडमिन सेंटर के जरिए लगातार अपडेट दे रही है।

अपने ताजा अपडेट में माइक्रोसॉफ्ट ने बताया कि यह समस्या



'बड़ी संख्या में सर्वरों के अचानक ठप हो जानेइ की वजह से आई है। हालांकि कंपनी ने इसके सटीक कारण नहीं बताए। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि वह अभी भी इस आउटेज की जांच कर रही है।

माइक्रोसॉफ्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सइ पर जानकारी दी कि उसके कुछ इंफ्रास्ट्रक्चर पर 'बहुत अधिक लोडइ आ गया है और वे इस लोड को संतुलित करने के लिए कनेक्शन ट्रैफिक को अपने वैश्विक इंफ्रास्ट्रक्चर पर फिर से बांट रहे हैं।

टेक कंपनी ने बताया कि उसकी टीम ने सभी नए डिप्लॉयमेंट रोक दिए हैं, प्रभावित इंफ्रास्ट्रक्चर से ट्रैफिक को दूसरी जगह भेजा जा रहा है और प्रभावित सर्वरों को फिर से शुरू किया जा रहा है, ताकि सेवाएं बहाल हो सकें। कंपनी का कहना है कि इस आउटेज से उसका 'डिफेंडर एक्सडीआरइ सुरक्षा सिस्टम भी प्रभावित हुआ है।

इससे पहले, माइक्रोसॉफ्ट ने बताया था कि उसने उत्तरी अमेरिका में 'टीम्सइ सेवा में आई रुकावट को ठीक कर लिया है और समस्या पूरी तरह सुलझ गई है। बाद में कंपनी ने कहा कि यह समस्या अन्य क्षेत्रों के उपयोगकताओं के लिए 'माइक्रोसॉफ्ट 365इ सेवा की कनेक्टिविटी को भी प्रभावित कर सकती है।

किसानों की मांग के मुताबिक गन्ने के भाव 600 रुपये प्रति कुंतल घोषित करे सरकार : भूपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल करने की किसानों की मांग को पूरी तरह जायज बताते हुए कहा कि कुछ ही महीने पहले 45 रुपये प्रति किलो बिकने वाली चीनी आज खुले बाजार में ?65 से ?70 प्रति किलो (44त्न-55त्न वृद्धि) पर बिक रही है लेकिन चीनी का रेट बढ़ने के बावजूद किसानों को उसका कोई फायदा नहीं मिल रहा है। सरकार की गलत नीतियों के चलते जमाखोर और कालाबाजारी करने वाले इसका फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गन्ने का भाव ?415 से ?430 प्रति क्विंटल यानी मात्र ?15 प्रति क्विंटल यानी केवल 3त्न बढ़ाना किसानों के साथ क्रूर मजाक है। हुड्डा ने किसानों की मांग के मुताबिक गन्ने के भाव में वृद्धि करने की मांग की। उन्होंने कहा कि हरियाणा के गन्ना उत्पादक किसान गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। किसानों का कहना है कि राज्य सरकार की ओर से घोषित कीमतें खेती की लगातार बढ़ती लागत को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार की किसान विरोधी नीतियों और बढ़ती महंगाई ने किसानों की कमर तोड़ दी है। डीजल, खाद, बीज, कृषि उपकरण आदि महंगे होने से खेती की लागत बढ़ गयी। किसान की आमदनी बढ़ने की बजाय घट गयी है। डीजल का भाव दोगुना हो गया। खाद के कट्टे का भाव दोगुना हो गया। बाजार में खाद्यान्नों की कीमत रोज नये रिकार्ड बना रही है, लेकिन किसानों को उनकी उपज का लागत भाव भी नहीं मिल रहा है। हुड्डा ने कहा कि 2004 में जब हरियाणा में कांग्रेस सरकार बनी उस समय गन्ने का भाव ?117 से बढ़ाकर ?310 किया, जो 165त्न बढ़ोतरी थी और देश में सबसे ज्यादा थी। पिछले 12.5 साल में बीजेपी सरकार ने गन्ने का भाव ?310 से केवल ?415 किया है। हमारे समय गन्ने के भाव में हर साल 17त्न बढ़ोतरी होती थी लेकिन बीजेपी सरकार मात्र 3त्न भाव ही बढ़ा रही है। हमारी सरकार के दौरान किसानों से गन्ना खरीद के साथ तुरंत भुगतान सुनिश्चित किया जाता था।



2027 में सपा की साइकिल फिर पंचर होगी, यूपी में तीसरी बार बनेगी एनडीए सरकार : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ 13 नवंबर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर दावा किया है कि तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने जा रही है और 2027 में सपा की साइकिल फिर पंचर होगी। डिप्टी सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भाजपा में संगठन सर्वोपरि है। संगठन ही असली पूंजी है। इसी संगठनात्मक शक्ति और कार्यकताओं के अथक परिश्रम के बल पर भाजपा ने 2027 के विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने का संकल्प लेकर चुनावी मोर्चा संभाल लिया है। 2027 में सपा की साइकिल फिर पंचर होगी और सुशासन, विकास, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण एवं अन्नदाता के सम्मान का 'कमलइ एक बार फिर पूरे उत्तर प्रदेश में खिलेगा। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने जा रही है। भारत निर्वाचन आयोग के तहत शुरू होने वाले मतदाता जोड़ो अभियान को लेकर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला और बैठक हुई। बैठक में काफी विस्तार से चर्चा हुई है और यह चर्चा आगे भी जारी रहेगी। हम पार्टी स्तर पर हरसंभव कोशिश कर रहे हैं ताकि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए और सभी का नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके।



उन्होंने कहा कि भाजपा की ऐसी बैठकें हर साल चुनाव के समय होती रही हैं और आगे भी होती रहेंगी। इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि कोई चुनाव प्रचार रुक जाएगा। भारतीय जनता पार्टी ने 2027 में प्रचंड जीत हासिल करने और तीसरी बार सरकार बनाने के संकल्प के साथ चुनावी तैयारियां शुरू कर दी हैं। पार्टी चुनावों को पूरी गंभीरता से ले रही है और जहां तक ??विरोधियों की बात है, चाहे वह समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के नेतृत्व वाला 'ठगबंधनइ हो, या ओवैसी और चंद्रशेखर के नेतृत्व वाला 'ठगबंधनइ हो, इनमें से कोई भी अब जनता को गुमराह करने में सफल नहीं हो पाएगा। भाजपा के प्रति लोगों का भरोसा है।

भाजपा नेता प्रकाश पाल ने कहा कि चुनाव आयोग मतदाता सूची में सुधार के लिए एक व्यापक अभियान चला रहा है। यह सभी दलों की जिम्मेदारी है कि वे यह सुनिश्चित करने का प्रयास करें कि मतदाता सूची एकदम सही और साफ-सुथरी हो। भारतीय जनता पार्टी एक जिम्मेदार राजनीतिक दल है जो अपनी जिम्मेदारियों को समझती है।



सम्पादकीय

बढ़ रही यूपी में चुनावी सरगर्मी

उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव 2027 के पहले तिमाही में ही संपन्न होने वाला है। सामान्य रूप से तो राज्य में भारतीय जनता पाटा (भाजपा) और समाजवादी पाटा (सपा) की ही प्रमुख पार्टियां सरकार बनाने के लिए मुकाबले में रहेंगी किन्तु असदुद्दीन ओवैसी की पाटा ऑल इंडिया मजलिस- ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और चन्द्रशेखर आजाद की पाटा आजाद समाज पाटा (कांशीराम) ने बृहस्पतिवार को चुनावी गठबंधन की घोषणा करके सीधे समाजवादी पाटा को चुनौती दी है क्योंकि इस गठबंधन का आशय ही मुस्लिम-दलित वोटों की एकजुटता है और समाजवादी पाटा मुस्लिम और यादव वोटों के बल पर ही भाजपा को चुनौती देती है।

दरअसल मुस्लिम और दलित दोनों ही समाज अभी तक क्रमशः समाजवादी पाटा और बहुजन समाज पाटा (बसपा) से जुड़े हुए थे। किन्तु चन्द्रशेखर आजाद के नगीना संसदीय क्षेत्र से चुनाव जीतने के बाद दलितों में उनका प्रभाव बढ़ा है। बीएसपी के नेत्री मायावती की पाटा में लोकसभा और विधानसभा के सदस्यों की संख्या भले ही कम है किन्तु उनका प्रभाव गाजियाबाद से लेकर गाजीपुर और बहराइच से लेकर बांदा तक समान रूप से दलितों में व्याप्त है। दूसरी तरफ चन्द्रशेखर का प्रभाव नगीना और आसपास के उन्हीं क्षेत्रों में पाया जाता है जहां उन्होंने राजनीति की है। पूरे प्रदेश में चन्द्रशेखर की स्वीकार्यता दलित समाज में उस प्रकार नहीं है जिस तरह कि ओवैसी का प्रभाव हैदराबाद के बाहर तेलंगाना में नहीं है। किन्तु चन्द्रशेखर आजाद को लगता है कि यदि उनकी जाति यानी दलित और मुस्लिम वोट उन्हें मिल जाए तो उनकी पाटा भी जड़ जमा सकती है। इसी तरह ओवैसी भी चाहते हैं कि उनके मजहब के साथ-साथ दलित वोट उन्हें मिल जाएं तो उत्तर प्रदेश में एआईएमआईएम का भी खाता उत्तर प्रदेश में खुल सकता है।

अब इस गठबंधन से भाजपा को तो बेचैनी है नहीं किन्तु सपा के लिए चिंता का विषय यह है कि मुस्लिम समाज एकजुट होकर जिस तरह भाजपा को हराने के लिए उसे वोट देते थे, कदाचित वह स्थिति राज्य में सम्भव न हो पाए।

बहरहाल, राज्य में मीम यानि मुस्लिम और भीम यानि दलित की राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए ही ओवैसी और चन्द्रशेखर ने हाथ मिलाया है। उनका पहला उद्देश्य अपनी सीटें बढ़ाना है न कि सरकार बनाना। इसलिए जो सपा के प्रति समर्पित वोटर हैं वे इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं उत्तर प्रदेश में भीम और मीम समीकरण भाजपा को नहीं बल्कि समाजवादी पाटा के वोटरों में भ्रम पैदा करेगा। लब्बोलुआब यह है कि यह गठबंधन राज्य में दलित-मुस्लिम गठबंधन की राजनीति के बल पर अपनी ताकत बढ़ाने के उद्देश्य से ही किया गया है। इन दोनों को इस गठबंधन से कितना लाभ होगा यह तो वोटर ही तय करेंगे किन्तु एआईएमआईएम और आजाद समाज पाटा (कांशीराम) मिलकर सामाजिक परिवर्तन मोचरे के सपने को किस तरह मूर्तरूप देगा यह तो समय ही बताएगा।

भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' को मिलेगी नई मजबूती, सम्मेलन में शामिल होंगे पीएम मोदी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 से 18 नवंबर 2026 तक फिलीपींस के मनीला दौरे पर रहेंगे, जहां वे 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (एंर२३ अ२ं र४३) में शामिल होकर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग व व्यापार को नई मजबूती देंगे। भारतीय कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मोर्चे पर एक बार फिर भारत का प्रभाव वैश्विक लेवल पर मजबूत होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिलीपींस गणराज्य के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर के निमंत्रण पर 16 से 18 नवंबर 2026 तक फिलीपींस की राजधानी मनीला की ऑफिशियल यात्रा पर रहेंगे। वे भारतीय विदेश नीति और 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' को नई उड़ान देने के लिए जा रहे है।

इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी दो बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन (231ि अरएअठ-क्ल्ल्रि र४३) और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (21२३ एंर२३ अ२ं र४३) में शामिल होंगे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के बीच व्यापार, सुरक्षा, समुद्री सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयां देना है।

1. स्थापना और उद्देश्य

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (एअर) इंडो-पैसिफिक (क्ल्लङ्घि-ह्यू) क्षेत्र के सामने आने वाली प्रमुख राजनीतिक, सुरक्षा और आर्थिक चुनौतियों पर रणनीतिक संवाद और सहयोग के लिए क्षेत्रीय नेताओं का एक सर्वोच्च मंच है। इसकी स्थापना साल 2005 में हुई थी। साथ ही, पहला शिखर सम्मेलन 14 दिसंबर 2005 को मलेशिया के कुआलालंपुर में आयोजित किया गया था।

2. सदस्य देश - ट्टीं१ उङ्घ४ल्ल३१ी२

यह एक अरएअठ-ल्लि३१ीि ाङ्घ१४ है, जिसकी अध्यक्षता केवल आसियान का कोई सदस्य देश ही कर सकता है। इसमें आसियान के सदस्य देशों के अलावा 8 प्रमुख संवाद साझेदार देश शामिल हैं:

भारत , ऑस्ट्रेलिया, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड, रूस (2011 में शामिल), संयुक्त राज्य अमेरिका (2011 में शामिल)

3. सहयोग के प्रमुख क्षेत्र



पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के अंदर सहयोग के कई प्रमुख स्तंभ हैं, जिनमें शांति और सुरक्षा, सतत विकास, जलवायु और ऊर्जा सुरक्षा, शिक्षा, वित्त, वैश्विक स्वास्थ्य और प्राकृतिक आपदा प्रबंधन शामिल हैं।

23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन का मुख्य एजेंडा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह यात्रा भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और इंडो-पैसिफिक विजन को और अधिक सुदृढ़ करेगी:

आसियान-भारत एक्शन प्लान (2026-2030): इस बैठक में नेता व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा करेंगे और साल 2026-2030 के लिए आसियान-भारत कार्य योजना के क्रियान्वयन पर चर्चा करेंगे।

समुद्री सहयोग साल 2026: भारत और आसियान साल 2026 को 'आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष' के रूप में मना रहे हैं, इसलिए समुद्री सुरक्षा, नीली अर्थव्यवस्था और कनेक्टिविटी पर विशेष जोर दिया जाएगा।

35 सालों की साझेदारी का जश्न: साल 2027 में भारत-आसियान संवाद संबंधों के 35 साल और व्यापक रणनीतिक साझेदारी के 5 साल पूरे होने जा रहे हैं, जिसकी तैयारियों की रूपरेखा भी इस सम्मेलन में तय की जाएगी।

द्विपक्षीय बैठकें और रात्रिभोज: मनीला प्रवास के दौरान पीएम मोदी फिलीपींस के राष्ट्रपति द्वारा आयोजित रात्रिभोज में शामिल होंगे और सम्मेलन से इतर कई अन्य वैश्विक नेताओं के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में वैश्विक मुद्दों पर चर्चा

आसियान शिखर सम्मेलन के साथ-साथ प्रधानमंत्री मोदी 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (EAS) में भी भाग लेंगे। यह मंच क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मामलों पर आसियान के सदस्य देशों और अन्य भागीदार देशों के साथ विचारों का आदान-प्रदान करने का एक बड़ा अवसर प्रदान करता है। इस मंच पर क्षेत्रीय सुरक्षा, स्थिरता और आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी।

वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें और रात्रिभोज

विदेश मंत्रालय (टएअ) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मनीला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम फिलीपींस के राष्ट्रपति द्वारा आयोजित एक विशेष ङ्क्रल्लल्ली१ के साथ शुरू होगा। इसके अलावा, सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के कई अन्य वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें (इ'ई१ि' टीी३ल्लॅ२) करने की भी पूरी संभावना है, जिससे द्विपक्षीय कूटनीति को और बढ़ावा मिलेगा।

भाजपा कार्यकर्ता को आया चक्कर तो मदद को आगे आए पीएम मोदी, सामने आई तस्वीर

कर्नाटक के मैसूर में 70 साल से अधिक की बीजेपी की कार्यकर्ता बेहोश होने वाली थी. इस दौरान पीएम मोदी उनका हालचाल जानते नजर आए. इसकी तस्वीर भी सामने आई है.

कर्नाटक के मैसूर में पीएम नरेंद्र मोदी का मानवीय व्यवहार सामने आया है. जहां एक 70 साल से अधिक बीजेपी के कार्यकर्ता बेहोश होने वाली थी. इसी दौरान पीएम मोदी उनकी सुध लेते नजर आए. इसकी तस्वीर भी सामने आई है.

प्रेमा के. कर्नाटक के नंजनगुड की एक बीजेपी वर्कर हैं. उनकी उम्र 70 साल से ज्यादा है. वह पीएम मोदी की रैली के दौरान असहज महसूस होने लगी. वे बेहोश होने ही वाली थीं. पीएम मोदी ने खुद उनकी सुध ली और अपने डॉक्टर से भी उनका ख्याल रखने को कहा. पीएम ने खुद यह सुनिश्चित किया कि उन्हें इलेक्ट्रोलाइट्स मिलें. कुछ सहारा दिया जाए. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने



कॉसमॉस मैसूर का उद्घाटन किया. यह भारत का पहला एलईडी डोम तारामंडल (प्लेनेटेरियम) है. इसे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स ने विकसित किया है. 4.2 करोड़ एलईडी से बने 15 मीटर तक झुके हुए डोम वाली यह अत्याधुनिक सुविधा खगोल विज्ञान का एक शानदार और जीवंत अनुभव प्रदान करेगी. मैसूर विश्वविद्यालय में स्थिय यह तारामंडल कन्नड़, अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में शैक्षिक शो पेश करेगा.

इस मौके पर पीएम मोदी ने रैली का संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक उपकरणों के अभाव के बावजूद हमारे पूर्वजों ने ब्रह्मांड और ग्रहों की गति का बहुत बारीकी से अध्ययन किया है. हमारे प्राचीन खगोलविदों ने ब्रह्मांड के अध्ययन के लिए जटिल गणितीय गणनाएं की. मैसूर शाही परिवार ने विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए मैसूर विश्विविद्यालय और क्क्रू की नींव रखी.

वाडियार परिवार का किया जिक्र

पीएम ने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस की नींव रखने में वाडियार परिवार ने अहम भूमिका निभाई. इन संस्थानों ने कई पीढ़ियों के स्टूडेंट्स और रिसचर्स को आगे बढ़ने का मौका दिया. आज भारत विज्ञान के क्षेत्र में एक मील का पत्थर हासिल कर रहा है. मैसूर अत्याधुनिक कॉसमॉस तारामंडल के जरिए भारत साइंटिफिक यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ रहा है. आज का यह अत्याधुनिक कॉसमॉस तारामंडल देश के युवाओं और नागरिकों को समर्पित किया जा रहा है. मुझे इसे देखने को मौका मिला, यह अद्भुत है.

मुझे 16 साल की उम्र में ही पता चल गया था कि अभिनेत्री बनूंगी : दीपिका पादुकोण

(जीएनएस)।

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने एक्टिंग करियर के बारे में बताया कि उन्हें 16 साल की उम्र में पता चल गया था कि वह अभिनेत्री बनना चाहती थीं। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इस समय बॉलीवुड की सबसे भरोसेमंद अभिनेत्रियों में से एक हैं। जब उन्होंने ट्रिपल एक्स : द रिटर्न ऑफ जेंडर केज के साथ हॉलीवुड में कदम रखा, तो दीपिका द एलेन डीजेनेरेस शो में भी नजर आईं। एलेन से बात करते हुए बाजीराव मस्तानी फिल्म की अभिनेत्री ने अपने पिता प्रकाश पादुकोण के बैडमिंटन करियर के बारे में खुलकर बात की।

दीपिका ने बताया कि उन्होंने भारत में ऐसे समय में बैडमिंटन खेला, जब कोई भी प्रोफेशनल तौर पर बैडमिंटन नहीं खेलता था। उस समय हर कोई डॉक्टर या वकील बनना चाहता था, लेकिन वे एक खिलाड़ी थे।



जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी अपने पिता के नक्शेकदम पर चलने की इच्छा जताई थी, तो अभिनेत्री ने जवाब दिया कि मैं ऐसा करके उन्हें खुश कर सकती थी, लेकिन वे हमेशा यही कहते थे कि अपने दिल की सुनो।

अभिनय के प्रति अपना प्यार जताते हुए दीपिका ने बताया कि 16 साल की उम्र में ही उन्हें पता चल गया था कि वह एक अभिनेत्री बनना चाहती हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कैमरे के सामने रहना उन्हें बेहद खुशी देता है।

दीपिका ने एलेन को यह भी बताया कि एक बार उन्होंने अपना पोर्टफोलियो शूट करने के लिए अपनी मां से 10,000 रुपए उधार लिए थे। पैसे मांगते समय अभिनेत्री ने अपनी मां को भरोसा दिलाया कि वह उनके पैसे लौटा देंगी और उन्हें गौरवान्वित भी करेंगी।

दीपिका ने बताया कि एक दिन मैंने अपनी मां को बिठाया और कहा कि क्या मैं आपसे 10,000 रुपए उधार ले सकती हूं? मुझे पोर्टफोलियो शूट करने के लिए पैसों की जरूरत थी। मैंने उनसे कहा कि एक दिन मैं उन्हें गौरवान्वित करूंगी और कभी न कभी उनके पैसे भी लौटा दूंगी।

साल 2007 में शाहरुख खान के साथ ओम शांति ओम से अपने करियर की शुरूआत करने के बाद, दीपिका कई प्रमुख फिल्मों का हिस्सा बनीं, जिनमें ये जवानी है दीवानी (2013), चेन्नई एक्सप्रेस (2013), गोलियों की रासलीला राम-लीला (2013), पीकू (2015), बाजीराव मस्तानी (2015), पद्मावत (2018), छपाक (2020), पठान (2023), जवान (2023) और कल्कि 2898 एडी (2024) शामिल हैं।

दीपिका बहुप्रतीक्षित फिल्म किंग में शाहरुख खान के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी।

जेलर 2 की धमाकेदार कामयाबी के बाद अब साल की सबसे चर्चित फिल्म ओम को नॉर्थ इंडिया में रिलीज करेगा पेन मरुधर

मुंबई फिल्म को लेकर देशभर में जबरदस्त माहौल बना हुआ है। शानदार सितारों की टोली, पांच राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं का एक साथ आना और साई अभ्यंकर का धमाकेदार संगीतज इन सबने मिलकर ओमः चैप्टर 1 - उधिरमः द ब्लड वुड को साल की सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल कर दिया है।

चेन्नई में हुए भव्य संगीत लॉन्च में हजारों प्रशंसकों की जबरदस्त मौजूदगी और शानदार प्रतिक्रिया के बाद अब निमार्ता फिल्म को पूरे भारत में बड़े पैमाने पर रिलीज करने की तैयारी में जुट गए हैं। तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम बाजारों में वितरण साझेदारी की घोषणा के बाद अब फिल्म के साथ एक और बड़ा नाम जुड़ गया है।



पेन मरुधर अब फिल्म के उत्तर भारत में सिनेमाघरों में वितरण की जिम्मेदारी संभालेगा। इस साझेदारी के जरिए आरटेक स्टूडियोज और वंडरबार फिल्म्स के साथ मिलकर फिल्म को देश के कोने-कोने तक पहुंचाने की तैयारी है। यानी दक्षिण से लेकर उत्तर तक, अब 'ओमङ्क का धमाका बड़े पर्दे पर होने वाला है!

इस साझेदारी पर बात करते हुए पेन स्टूडियोज के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. जयंतीलाल गड़ा ने कहा, हम 'ओमः चैप्टर 1 - उधिरमः द ब्लड वुडङ्क के उत्तर भारत में सिनेमाघरों में वितरण के लिए आरटेक स्टूडियोज और वंडरबार फिल्म्स के साथ जुड़कर बेहद खुश हैं। शानदार कलाकारों की टोली, दमदार सोच और दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्सुकता इसे सिनेमाघरों के लिए एक खास फिल्म बनाती है। हमें उम्मीद है कि 20 नवंबर 2026 को होने वाली पूरे भारत में रिलीज के साथ हम उत्तर भारत के दर्शकों तक इस शानदार सिनेमाई अनुभव को पहुंचा पाएंगे।

वहीं, इस जुड़ाव पर आरटेक स्टूडियोज की निमार्ता श्रद्धा अग्रवाल ने कहा, एक निमार्ता के तौर पर हमारा हमेशा से यही सपना रहा है कि 'ओमः चैप्टर 1 - उधिरमः द ब्लड वुडङ्क को ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक सिनेमाघरों के जरिए पहुंचाया जाए। पेन मरुधर का उत्तर भारत में वितरण साझेदार के तौर पर जुड़ना हमारी इस कोशिश में एक बड़ा और अहम पड़ाव है। उनका अनुभव और मजबूत नेटवर्क फिल्म को बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाने में मदद करेगा। दक्षिण भारत के हमारे वितरण साझेदारों के साथ यह जुड़ाव हमारी पूरे भारत में रिलीज की रणनीति को और मजबूती देता है। अब हमें इंतजार है 20 नवंबर को सिनेमाघरों में इस फिल्म को भव्य अंदाज में पेश करने का।

राजकुमार पेरियासामी के निर्देशन में बनी 'ओमः चैप्टर 1 - उधिरमः द ब्लड वुडङ्क में धनुष, ममूटी, साई पल्लवी, श्रीलीला, नसीरुद्दीन शाह और इंद्रन्स जैसे दमदार कलाकार एक साथ नजर आएंगे। श्रद्धा अग्रवाल, धनुष और अजमत जगमग द्वारा निर्मित यह फिल्म आरटेक स्टूडियोज और वंडरबार फिल्म्स के बैनर तले तैयार हुई है।

आईएमडीबी पर नंबर 1 स्थान, लगातार बढ़ती प्रशंसकों की संख्या और हर नए खुलासे के साथ बढ़ते क्रेज ने फिल्म को लेकर उत्साह सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। अब हर किसी की नजर 20 नवंबर 2026 पर है, जब 'ओमः चैप्टर 1 - उधिरमः द ब्लड वुडङ्क तमिल, हिंदी और तेलुगु भाषाओं में दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है।

कट्टरपंथ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, करीना कपूर के पेंडेंट पहनने पर नेताओं और जगद्गुरु परमहंस आचार्य की प्रतिक्रिया

(जीएनएस)।

अभिनेत्री करीना कपूर द्वारा दीपावली के दौरान पहना गया 30 कैरेट पन्ना जड़ा पेंडेंट चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मुद्दे पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। भोपाल कांग्रेस के नेता और प्रवक्ता अब्बास हफीज ने पेंडेंट को लेकर आपत्ति जताई है, जबकि छावनी पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य, शिवसेना की राष्ट्रीय प्रवक्ता शाइना एनसी और हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने करीना कपूर के समर्थन में बयान दिया है। तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने आईएएनएस के साथ बातचीत में अभिनेत्री करीना कपूर का समर्थन किया है। उनका कहना है कि भारत एक संवैधानिक देश है और यहां पर हर किसी को अपनी पसंद के कपड़े पहनने और अपने तरीके से जीवन जीने की आजादी है। उन्होंने कहा, भारत एक संवैधानिक राष्ट्र है और यहां पर क्रूरता और कट्टरपंथ बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी को संविधान के दायरे में रहना होगा। यहां पर रहने वाला प्रत्येक नागरिक संविधान के दायरे में रहेगा और अगर इससे हटकर कोई यहां पर कट्टरता, क्रूरता या शरिया कानून चलाने का प्रयास करेगा, तो उसके ऊपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा, मैं करीना कपूर का समर्थक नहीं हूं, लेकिन यह जरूर कहूंगा कि भारत में महिलाओं का सम्मान देवियों जैसा है। हमारे यहां कन्या पूजन होता है। महिलाएं क्या पहन रही हैं और किस तरह के कपड़े पहन रही हैं, उनके ऊपर लीगल नोटिस भेजने वाले के ऊपर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। अयोध्या नगरी से तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगदगुरु परमहंस आचार्य होने के नाते, मैं उस व्यक्ति की निंदा करता हूं, जिसने करीना कपूर की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर अपनी घृणित मानसिकता का प्रदर्शन किया है।

शिवसेना नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता शाइना एनसी ने करीना कपूर का समर्थन करते हुए कहा कि इस तरह की बातें कांग्रेस लाइमलाइट में आने के लिए



कर रही है। उन्होंने कहा, ये अब्बास हफीज कौन हैं और उन्हें करीना कपूर के पहनावे से इतनी आपत्ति क्यों हो रही है? अभिनेत्री ने अपनी विरासत का पीस पहना है, कहीं से चोरी या उधार मांगकर तो पहना नहीं है।

उन्होंने आगे कहा, यह उस व्यक्ति की इच्छा होनी चाहिए कि वह हार पहने, पीस या फिर ताबीज पहने या नहीं। इतनी छोटी-छोटी चीज के लिए शिकायत दर्ज करवाई जाती है, तो एक चीज स्पष्ट होती है कि कांग्रेस पार्टी पब्लिसिटी या मीडिया के सामने बने रहने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

उन्होंने करीना कपूर का समर्थन करते हुए कहा, करीना कपूर क्यों माफी मांगे? उन्होंने कोई गलती नहीं की है। उन्होंने तो बस अपनी विरासत की चीज ही पहनी है। अपनी चीज कब, कहाँ और किस जगह पहननी चाहिए, यह उनका मत होगा। खैर, कांग्रेस पार्टी बौखला गई है और मीडिया के सामने बने रहने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने पेंडेंट विवाद के बीच करीना कपूर का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री को किसी से माफी मांगने की जरूरत नहीं है और पेंडेंट पहनना स्वाभाविक है, क्योंकि यह गले में पहनने के लिए है।

उन्होंने यह भी कहा कि हिंदू उत्सव समिति और संस्कृति बचाओ मंच उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, करीना कपूर ने पेंडेंट गले में और हृदय के पास पहना है। जब कोई भी व्यक्ति कमर के ऊपर के भाग में कुछ पहनता है, तो वह शरीर के लिए पवित्र माना जाता है। पेंडेंट को जब हृदय के पास पहनते हैं, तो पूरे दिन आपके आस-पास सकारात्मकता बनी रहती है और अगर उसमें आयतें भी लिखी हैं, तो मुझे नहीं लगता है कि उन्होंने इसे अपवित्र स्थल पर पहना होगा।

उन्होंने आगे कहा, पेंडेंट गले में पहनने के लिए बना है, न कि कहीं सजाने के लिए। हो सकता है कि शादी से पहले करीना ने अपने पति सैफ अली खान से कहा होगा कि शादी के बाद हम दोनों अपने-अपने धर्म को मानेंगे। इसी के साथ ही, वह भोपाल रियासत की बहू भी हैं, तो स्वाभाविक है कि पुरखों से चली आ रही चीज को वे पहनेंगी और इसे पहनने के लिए उन्हें दीपावली का अवसर सही लगा होगा, तो मुझे नहीं लगता है कि उन्होंने कुछ गलत किया है।

ओ साथी रे में दिखेगी अधूरी मोहब्बत की कहानी, इम्तियाज बोले-प्यार खूबसूरत है पर रिश्ता बराबर नहीं

इम्तियाज अली आगामी वेब सीरीज ओ साथी रे ओटीटी पर प्रदर्शित होने के लिए तैयार है। इम्तियाज अली ने कहा कि यह सीरीज एक मॉडर्न रोमांटिर शो है, जिसका दिल पुराने जमाने का है। सीरीज के बारे में बात करते हुए इम्तियाज ने कहा, ओ साथी रे एक मॉडर्न रोमांटिक शो है, जिसका दिल पुराने जमाने का है। कभी-कभी प्यार आपको सबसे अनजान जगहों पर मिलकर चौंका देता है। ये एक तलाक ले रहे कपल के बीच बढ़ते लगाव की कहानी है। लगाव में धड़कता हुआ दिल होता है, प्यार खूबसूरत होता है लेकिन रिश्ता बराबर नहीं हो सकता। ओ साथी रे उन किरदारों की कहानी है, जो प्यार में मौजूद असमानता से गुजरते हैं। अपनी पहचान और चाहत को समझने से लेकर रिश्तों में पावर की लड़ाई और समझने और छोड़ देने के बीच के नाजुक बैलेंस तक। ये सीरीज प्यार को एक समझदार नजरिए से दिखाती है, जो आम रोमांटिक कहानियों से अलग है। इम्तियाज ने कहा, एक परफेक्ट कपल होना कई बार बोझ भी बन जाता है। ओ साथी रे में हमें देखने को मिलेगा कि जहां चाहत, सपने और साथ आने का नाम है, वहीं ये छोड़ देने की प्रक्रिया भी हो सकती है। किरदार कई परतों वाले और बिल्कुल असली जिंदगी जैसे हैं, इसीलिए हमने सबसे बेहतरीन एक्टर्स को लिया है।

यह सीरीज एक ऐसे जोड़े की कहानी है जो तलाक की प्रक्रिया से गुजर रहा है। इसमें समकालीन रिश्तों की जटिलताओं, प्यार, अलगाव और त्याग की भावनाओं को बेहद मार्मिक अंदाज में दिखाया गया है।

आरिफ अली द्वारा निर्देशित सीरीज में अदिति राव हैदरी, अविनाश तिवारी और अर्जुन रामपाल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इम्तियाज अली ने इस शो को बनाया, लिखा और संभाला है। विंडो सीट फिल्म्स (इम्तियाज अली, मोहित चौधरी और शिबाशीष सरकार) के बैनर तले वेब सीरीज ओ साथी रे 4 दिसंबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M) 9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

गन्ना मूल्य 600 रुपये प्रति क्विंटल घोषित करने की मांग, किसानों ने दी अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी

बकाया गन्ना भुगतान पर ब्याज सहित किसानों को धनराशि दिलाने की मांग, 1 दिसंबर से बिसवां गन्ना समिति परिसर में धरना देने का ऐलान

(जीएनएस)।

बिसवां सीतापुर। किसानों की समस्याओं और गन्ना मूल्य को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन ने आवाज बुलंद की है। संगठन के जिला प्रभारी रामआधार वर्मा ने जिलाधिकारी सीतापुर को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी मिश्रिख के माध्यम से भेजकर किसानों की विभिन्न मांगों के निस्तारण की मांग की है। ज्ञापन में गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल घोषित करने के साथ ही बकाया गन्ना भुगतान पर ब्याज दिलाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई है।

संगठन की ओर से कहा गया है कि प्रदेश भर के किसान चाहते हैं



कि आगामी पेराई सत्र शुरू होने से पहले ही सरकार गन्ने का मूल्य 600 रुपये प्रति क्विंटल घोषित करे, ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके। इसके साथ ही वर्ष 1996-97 से 2025-26 तक के विलंबित गन्ना भुगतान पर उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार किसानों को ब्याज दिलाए जाने की मांग की गई है। संगठन ने यह भी मांग की है कि प्रत्येक किसान का कितना ब्याज बनता है, इसका पूरा विवरण उपलब्ध कराया जाए। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि किसानों की मांगों को लेकर बिसवां गन्ना समिति और मिल प्रबंधन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। वहीं मिल को 21 नवंबर से चालू कराने की घोषणा किए जाने से किसानों में नाराजगी व्याप्त है।

राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि किसानों की मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आगामी 1 दिसंबर 2026 से बिसवां गन्ना समिति कार्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। संगठन ने स्पष्ट किया है कि धरना शुरू होने की स्थिति में इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

ज्ञापन की प्रतिलिपि जिला गन्ना अधिकारी सीतापुर तथा नैमिषारण्य चीनी मिल प्रबंधन बिसवां को भी भेजी गई है। अब देखना होगा कि किसानों की इन मांगों पर प्रशासन और संबंधित विभाग की ओर से क्या कदम उठाए जाते हैं।

ग्राम दौलतपुर में माता रानी की बड़ी पूजा का शुभारंभ, श्रद्धा और भक्ति के माहौल में जुटे ग्रामवासी





(जीएनएस)।

पीलीभीत/पूरनपुर,दौलतपुर। ग्राम पंचायत दौलतपुर में शुक्रवार, 13 नवंबर 2026 को माता रानी के मंदिर पर ग्राम की बड़ी पूजा का विधिवत शुभारंभ हुआ। पूजा के प्रारंभ होते ही मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठा।

इस धार्मिक आयोजन में ग्रामवासियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की और माता रानी के चरणों में शीश नवाकर परिवार एवं गांव की सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की।

इस धार्मिक आयोजन में विशेष कार्यकर्ता के रूप में श्री आदेश भारती ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं सहयोगी कार्यकताओं में प्रधान पति राजीव कुमार, देवेंद्र कुमार शर्मा, रजनीश कुमार शर्मा, हंसराम शर्मा, सचिन भारती, गया प्रसाद शर्मा, सर्वेश कुमार शर्मा, प्रशांत शर्मा और रामजीत भारती सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया।

आयोजन में स्थानीय पत्रकार नवल किशोर शर्मा सहित समस्त ग्रामवासी दौलतपुर मौजूद रहे। सभी के सहयोग और सहभागिता से धार्मिक आयोजन का शुभारंभ उत्साह एवं श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ।

गांव में माता रानी की पूजा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरा वातावरण माता रानी के जयकारों और भक्ति भावना से भक्तिमय बना रहा।

नवाबगंज के दो इंटर कॉलेजों में यातायात, साइबर अपराध एवं मिशन शक्ति जागरूकता अभियान का भव्य आयोजन

पुलिस अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को दी महत्वपूर्ण जानकारी, सड़क सुरक्षा एवं महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

(जीएनएस)।

प्रयागराज। यातायात माह नवंबर 2026 के अंतर्गत शुक्रवार को थाना नवाबगंज क्षेत्र के दो प्रमुख शिक्षण संस्थानों हीरालाल पटेल इंटर कॉलेज एवं श्री अजीत प्रताप सिंह इंटरमीडिएट कॉलेज, पचदेवरा, नवाबगंज में यातायात जागरूकता, साइबर अपराध से बचाव एवं मिशन शक्ति के अंतर्गत 13 नवंबर को विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। दोनों विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रम संबंधित प्रधानाचार्यों की अध्यक्षता में संपन्न हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। श्री अजीत प्रताप सिंह इंटरमीडिएट कॉलेज में प्रधानाचार्य धर्मेंद्र प्रताप सिंह तथा हीरालाल पटेल इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य राजकुमार पटेल की अध्यक्षता में आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों में पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को वर्तमान समय की महत्वपूर्ण सामाजिक एवं सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से अवगत कराया। कार्यक्रम में थाना नवाबगंज के उपनिरीक्षक वीरेंद्र नाथ राय, देवेंद्र भूषण पांडे, प्राची यादव, रजनीश शर्मा, विनय कुमार यादव, अर्चना, भानु प्रताप सिंह एवं राजेश यादव ने छात्र-छात्राओं, विशेषकर छात्राओं को यातायात नियमों, साइबर अपराधों से बचाव तथा मिशन शक्ति के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उप. निरीक्षक इंदपाल वर्मा ने यातायात जागरूकता के अंतर्गत विद्यार्थियों को बताया गया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाना, निर्धारित गति सीमा का पालन करना, वाहन



चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करना तथा यातायात संकेतों का पालन करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यातायात नियमों की अनदेखी न केवल स्वयं के जीवन बल्कि दूसरों के जीवन को भी खतरे में डाल सकती है। साइबर अपराध जागरूकता के अंतर्गत ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, डिजिटल भुगतान में धोखाधड़ी, ओटीपी एवं बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा करने के खतरे तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया गया। विद्यार्थियों को किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने और साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी गई। वहीं मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मसम्मान, उनके कानूनी अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा तथा किसी भी विषम परिस्थिति में पुलिस एवं संबंधित हेल्पलाइन की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। छात्राओं को निर्भीक होकर अपनी बात रखने, गलत गतिविधियों का विरोध करने तथा स्वयं एवं अन्य महिलाओं की सुरक्षा के प्रति सजग रहने का संदेश दिया गया। इस विशेष अभियान में यातायात पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज की ओर से प्रशांत उत्तम, विपिन कुमार मिश्रा, अफजाल अंसारी एवं अनिल कुमार मिश्रा ने सक्रिय सहभागिता करते हुए सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया। वहीं उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति, शाखा प्रयागराज की ओर से विशाल श्रीवास्तव, यासीन अहमद एवं शेख मोहम्मद अहमद ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समिति के गंगापार प्रभारी अंकित सिंह एवं रामरूप पटेल का विशेष सहयोग एवं योगदान सराहनीय रहा। उल्लेखनीय है कि यह व्यापक जन-जागरूकता अभियान यातायात पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज एवं उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति, शाखा प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया जा रहा है। अभियान का नेतृत्व एवं मार्गदर्शन समिति के प्रादेशिक चेयरमैन माननीय कमलेश श्रीवास्तव तथा वाइस चेयरमैन डॉ. आर.एस. वर्मा, पूर्व आईएएस द्वारा किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों के माध्यम से नई पीढ़ी को यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदार बनाना, साइबर अपराधों से सुरक्षित रखना तथा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। समिति द्वारा नवंबर माह में जनपद के विभिन्न विद्यालयों, शिक्षण संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर लगातार ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यह विशेष जन-जागरूकता अभियान आगामी 30 नवंबर 2026 तक निरंतर जारी रहेगा। अभियान के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक यह संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है कि सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा का संकल्प है, साइबर सतर्कता वर्तमान समय की आवश्यकता है तथा महिला सुरक्षा एवं सम्मान प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के अंत में उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति, शाखा प्रयागराज की ओर से दोनों विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, शिक्षकगण, छात्र-छात्राओं, थाना नवाबगंज पुलिस टीम एवं यातायात पुलिस कमिश्नरेट के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। पुलिस प्रशासन, शिक्षण संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों की संयुक्त सहभागिता से आयोजित यह कार्यक्रम जनहित एवं सामाजिक जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल साबित हुआ।

मसौली में दिल दहलाने वाली घटना: खेत से लौटकर होमगार्ड की पत्नी ने की खुदकुशी, बच्चों के रोने-चीखने से मचा कोहराम

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। शुक्रवार को थाना क्षेत्र के ग्राम सहाबपुर निवासी एक होमगार्ड की 46 वर्षीय पत्नी ने घर के अंदर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली स्कूल से घर पहुंचे बच्चो ने माँ के लटकते शव को देखकर कोहराम मच गया सूचना पर पहुंची मसौली पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बताते चले कि शुक्रवार की सुबह शहाबपुर निवासी होमगार्ड रामशरण नित की तरह थाना मसौली डियूटी पर चला गया था तथा बच्चे स्कूल चले गये थे इसी बींच घर मे अकेली 46 वर्षीय पत्नी राजकुमारी ने दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली स्कूल से लौटे बच्चों ने घर का दरवाजा बंद पाया। काफी आवाज लगाने के बाद भी जब अंदर से कोई जवाब नहीं मिला तो खिड़की से झांककर देखा। कमरे में मां का शव फंदे से लटका देख बच्चों की चीख निकल गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार शहाबपुर निवासी राजकुमारी पत्नी रामशरण शुक्रवार को खेत में काम करने के बाद घर



लौटी थीं। उनके पति रामशरण होमगार्ड हैं और घटना के समय मसौली थाने में ड्यूटी पर तैनात थे। उनके दोनों बेटे सचिन और अभिषेक स्कूल गए हुए थे। बताया जाता है कि घर लौटने के बाद राजकुमारी कमरे में चली गईं और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। स्कूल की छुट्टी के बाद दोनों बच्चे घर पहुंचे तो दरवाजा बंद मिला। काफी देर तक आवाज लगाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला तो उन्होंने आसपास के ग्रामीणों को बुलाया। ग्रामीणों ने खिड़की से अंदर देखा तो राजकुमारी का शव फंदे से लटका हुआ था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची मसौली पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल की और साक्ष्य जुटाए। थाना प्रभारी छोटेलाल ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पत्रकारों की सुरक्षा से समझौता बर्दाश्त नहीं।

परवेज अख़्तर

पत्रकार मोहम्मद तारिक पर हुए हमले के खिलाफ पत्रकारों ने उठाई आवाज।

लखनऊ के जुझारू पत्रकार साथी तारिक साहब पर हुए जानलेवा हमले की पुरजोर निंदा करते हुए उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार संघ के कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

जहां मान्यता प्राप्त पत्रकार संघ के महामंत्री अब्दुल वहीद, पत्रकार संवाद मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सईद खान ताजू साहब और राष्ट्रीय महासचिव वरिष्ठ पत्रकार सैफ साबरी व राष्ट्रीय सचिव वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद अमान, तथा मान्यता प्राप्त पत्रकार परवेज अख़्तर ने बैठक कर पत्रकारों की सुरक्षा से जुड़े गम्भीर मुद्दे पर कई अहम गुफ़्तगू करी।

बैठक में पत्रकारों के साथ लगातार हो रही बदसलूकी, उत्पीड़न और खबर प्रकाशित करने अथवा पुलिस को सूचना देने के बावजूद



स्थानीय स्तर पर होने वाली कथित लीपापोती और लापरवाही पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई।

इस संबंध में पुलिस के उच्च अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर पूरे मामले से अवगत कराया गया।

साथ ही अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने और पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने के उद्देश्य से मुलाकात का समय भी लिया गया।

सही मायनों में ये बेहद चिंताजनक स्थिति है कि जब किसी पत्रकार की खबर या शिकायत पर समय रहते निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई नहीं होती है , तो असामाजिक तत्वों और अपराधियों के हौसले बुलंद हो जाते हैं।

नतीजा यह है कि अब पत्रकारों को न केवल धमकियों और बदसलूकी का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि उन पर खुलेआम मारपीट और जानलेवा हमले भी किए जा रहे हैं।

पत्रकार का काम समाज की सच्चाई सामने लाना है, न कि सच लिखने की कीमत अपनी जान जोखिम में डालकर चुकाना!!

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की सुरक्षा केवल पत्रकारों का निजी मुद्दा नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती से जुड़ा सवाल भी है।

साथ ही ये भी कहा कि हम सब की शासन प्रशासन से मांग है कि तारिक साहब पर हमले के दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई हो, लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदारों की जवाबदेही तय हो और प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए ठोस एवं प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित हो।

आवाज उठाना अपराध नहीं है(जीएनएस)। और पत्रकारों की सुरक्षा कोई एहसान नहीं, बल्कि उनका अधिकार है।

मुस्तफाबाद में किसान की जमीन पर दबंगई का आरोप, श्रीचंद के खेत में छत्रपाल ने जबरन बो दी गेहूं की फसल; विरोध करने पर मारपीट, पीड़ित ने पुलिस से मांगा न्याय

(जीएनएस)।

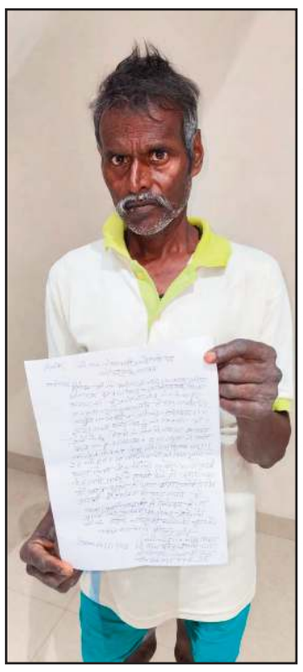
बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली बांगरमऊ क्षेत्र के ग्राम मुस्तफाबाद में जमीन को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। एक गरीब किसान ने गांव के ही छत्रपाल पुत्र सुंदरलाल पर उसकी हिस्सेदारी वाली कृषि भूमि पर जबरन कब्जा कर गेहूं की फसल बोने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित किसान श्रीचंद पुत्र बाबूलाल का कहना है कि उसकी अपनी जमीन पर बिना अनुमति के जबरन जुताई कर गेहूं की बुवाई कर दी गई। विरोध करने पर उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट भी की गई। पीड़ित ने कोतवाली प्रभारी को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

17 बिस्वा जमीन में है हिस्सा, किसान ने लगाया जबरन कब्जे का आरोप

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम मुस्तफाबाद निवासी श्रीचंद पुत्र बाबूलाल का गांव के बाहर करीब 17 बिस्वा कृषि भूमि में हिस्सा है। पीड़ित का आरोप है कि उक्त जमीन में उसका भी हिस्सा होने के बावजूद छत्रपाल पुत्र सुंदरलाल उसकी जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। आरोप है कि छत्रपाल ने उसकी सहमति के बिना खेत की जुताई कर दी और उसके हिस्से की जमीन पर जबरन गेहूं की बुवाई कर दी।

किसान की मेहनत और अधिकारों पर उठे सवाल

पीड़ित श्रीचंद का कहना है कि खेती-किसानी ही उसके परिवार की आजीविका का प्रमुख सहारा है। जमीन पर खेती करने और फसल तैयार करने के लिए किसान को काफी मेहनत और धन खर्च करना पड़ता है। ऐसे में उसकी मर्जी के बिना उसकी जमीन पर जबरन गेहूं बो दिया जाना उसके लिए गंभीर परेशानी का कारण बन गया है। पीड़ित का आरोप है कि विपक्षी उसकी जमीन पर उसके अधिकारों की अनदेखी कर मनमानी कर रहा है।



विरोध करने पर गाली-गलौज और लात-घूंसों से पीटने का आरोप

श्रीचंद ने आरोप लगाया कि जब उसने अपनी जमीन पर जबरन गेहूं की बुवाई किए जाने का विरोध किया तो छत्रपाल ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध बढ़ने पर उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट भी की गई। पीड़ित का कहना है कि वह गरीब किसान है और इस तरह की घटनाओं से काफी परेशान है। अपनी ही जमीन पर खेती करने के अधिकार को लेकर उसे दर-दर भटकना पड़ रहा है।

कोतवाली प्रभारी से लगाई गुहार, मौके पर जांच कराने की मांग

मामले को लेकर पीड़ित किसान श्रीचंद ने कोतवाली बांगरमऊ प्रभारी को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। पीड़ित ने पुलिस से मांग की है कि मौके पर पहुंचकर विवादित जमीन की वास्तविक स्थिति देखी जाए और उसके हिस्से की जमीन पर जबरन कब्जा कर गेहूं की बुवाई करने तथा विरोध करने पर मारपीट किए जाने के आरोपों की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाए।

आखिर कब मिलेगा गरीब किसान को न्याय?

ग्राम मुस्तफाबाद में सामने आए इस मामले के बाद पीड़ित किसान को पुलिस प्रशासन से न्याय की उम्मीद है। किसान की मांग है कि उसकी जमीन और फसल से जुड़े विवाद का निष्पक्ष निस्तारण कराया जाए, ताकि वह बिना किसी डर और दबाव के अपनी जमीन पर खेती कर सके। अब देखना होगा कि पुलिस प्रशासन शिकायत पर क्या कार्रवाई करता है और पीड़ित किसान को कब तक राहत मिल पाती है।

पीड़ित किसानः श्रीचंद पुत्र बाबूलाल

निवासीः ग्राम मुस्तफाबाद, थाना बांगरमऊ, जिला उन्नाव।

'मेरा फोन टैप किया जा रहा है', राहुल गांधी का बड़ा दावा

इंस्टाग्राम पर राहुल गांधी ने पीएम मोदी को वन-ऑन-वन बहस की चुनौती दी. उन्होंने दावा किया कि इस बहस के बाद मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे. राहुल ने कहा कि संसद में उन्हें बोलने नहीं दिया जाता और उनका माइक बंद कर दिया जाता है.

(जीएनएस)।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि उनका फोन टैप कराया जा रहा है. उन्होंने कहा, "मेरे सभी आरोपों के सबूत मेरे फोन में हैं, जिसे प्रधानमंत्री टैप करा रहे हैं. वन-ऑन-वन बहस से यह साबित हो जाएगा कि विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन काम कर रहा है, देश विरोधी कौन है और कब से देश विरोधी गतिविधियों में शामिल है. ऐसी कई दूसरी जानकारियां भी हैं, जो मुझे पता हैं और मेरे फोन में मौजूद हैं."

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर आमने-सामने सार्वजनिक बहस की चुनौती भी दी. उन्होंने दावा किया कि अगर दोनों के बीच वन-ऑन-वन बहस हुई तो नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे.

इंस्टाग्राम पर 'आस्क मी' सेशन के दौरान राहुल से पूछा गया था कि जब बीजेपी संसद में बहस के लिए तैयार है तो वह सार्वजनिक बहस पर जोर क्यों दे रहे हैं. इस पर उन्होंने



कहा कि लोकसभा में उन्हें बोलने नहीं दिया जाता और उनका माइक बंद कर दिया जाता है.

राहुल गांधी ने लगाए कई गंभीर आरोप

राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें कृषि कानूनों, वोट चोरी, एसआईआर, चीन, जनरल नरवणे की किताब और एपस्टीन जैसे मुद्दों पर बोलने नहीं दिया गया. उन्होंने कहा कि वह लंबे भाषणों वाली बहस नहीं चाहते, बल्कि सीधी बातचीत चाहते हैं, जिसमें दोनों नेता एक-दूसरे से सवाल-जवाब कर सकें.

राहुल ने कहा कि वह चाहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी एक तरफ बैठें और वह दूसरी तरफ, दोनों के बीच सीधे सवाल-जवाब हों. उन्होंने यह भी कहा कि बहस के लिए गौतम अडानी या आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को जज बनाया जाए तो भी उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी.

'बहस के बाद प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे मोदी जी'

राहुल गांधी ने कहा, "मैं गारंटी देता हूं कि मेरे साथ आमने-सामने की बहस के बाद प्रधानमंत्री पद पर नहीं रहेंगे." बता दें कि इससे पहले भी राहुल कई बार मोदी को खुली बहस की चुनौती दे चुके हैं.

राहुल की चुनौती के बीच बीजेपी नेताओं ने इसे खारिज करते हुए उन पर संसद में बहस से बचने का आरोप लगाया. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि संसद बहस के लिए पहले से उपलब्ध मंच है और राहुल को नेता प्रतिपक्ष के तौर पर गंभीरता और जिम्मेदारी दिखानी चाहिए.

श्री राहुल गांधी अपने जीवन की सबसे निचले स्तर की 'घटिया राजनीति' कर रहे हैं। उनका यह स्तर नहीं कि यशस्वी प्रधानमंत्री उनसे बहस करें। आरोप लगाना और भाग खड़ा होना उनकी पुरानी फि तरत है। फोन टैपिंग का आरोप भी उनकी हल्ला बोल राजनीति का हिस्सा है।

उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, "आरोप लगाना और भाग खड़ा होना उनकी पुरानी फि तरत है. फोन टैपिंग का आरोप भी उनकी हल्ला बोल राजनीति का हिस्सा है."

राहुल गांधी के फोन टैपिंग के आरोप पर अखिलेश यादव ने कहा कि अमर सिंह अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उन्होंने कई साल पहले ही फोन टैपिंग की बात कही थी.

दिल्ली-मुंबई के बाद बेंगलुरु तीसरा शहर! मेट्रो ने पार किया 100 किमी का नेटवर्क

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में मेट्रो, रेल और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े काम शामिल हैं। इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज का दिन कर्नाटक की विकास यात्रा को नई गति देने वाला है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि मध्यम वर्ग की बचत बढ़े, उसकी क्रय क्षमता मजबूत हो और वह देश की आर्थिक प्रगति में भी भागीदार बने।

15 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरूआत

पीएम मोदी ने कहा कि कर्नाटक में शुरू की जा रही 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं राज्य के बुनियादी ढांचे को नई ताकत देंगी। मेट्रो और रेल से लेकर ऊर्जा सुरक्षा तक के ये प्रोजेक्ट विकसित कर्नाटक और विकसित भारत के निर्माण को गति देंगे।

उन्होंने कहा कि किसी भी देश की विकास यात्रा में इंफ्रास्ट्रक्चर की बड़ी भूमिका होती है। बेहतर कनेक्टिविटी से तरक्की, रोजगार और उद्योगों के नए अवसर पैदा होते हैं। जब विकास के ये अवसर समाज के हर वर्ग तक पहुंचते हैं, तो गरीबी के खिलाफ लड़ाई भी मजबूत होती है।

100 किलोमीटर से ज्यादा हुआ बेंगलुरु मेट्रो नेटवर्क

प्रधानमंत्री ने बेंगलुरु के मेट्रो नेटवर्क के विस्तार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि साल 2014 में शहर का मेट्रो नेटवर्क सिर्फ 14 किलोमीटर तक फैला था, जो अब 100 किलोमीटर से अधिक हो गया है।

पीएम मोदी के मुताबिक, दिल्ली-



ठउफऔर मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के बाद बेंगलुरु देश का तीसरा शहरी क्षेत्र बन गया है, जहां मेट्रो नेटवर्क ने 100 किलोमीटर का आंकड़ा पार किया है। उन्होंने कहा कि यह लोगों के लिए यात्रा को आसान बनाने और जीवन की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है।

कर्नाटक को मिली गोवा से जोड़ने वाली वंदे भारत ट्रेन

पीएम मोदी ने कहा कि कुछ दिन पहले कर्नाटक को राज्य की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मिली थी और अब राज्य को गोवा से जोड़ने वाली वंदे भारत ट्रेन की सुविधा मिली है। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन से कर्नाटक, मेंगलुरु और पूरे तटीय क्षेत्र के लोगों को सेमी हाईस्पीड ट्रेन से सफर करने का नया अनुभव मिलेगा।

ऊर्जा सुरक्षा की अहमियत समझ आई

प्रधानमंत्री ने ऊर्जा सुरक्षा को विकसित भारत के निर्माण का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि ईरान और खाड़ी देशों के आसपास चल रहे युद्ध ने दिखाया है कि किसी देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा कितनी जरूरी है। भारत के लिए भी यह चुनौतीपूर्ण समय रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। पेट्रोल, डीजल और एलपीजी उत्पादन की क्षमता बढ़ाई गई है। कच्चे तेल के भंडारण की व्यवस्था विकसित की गई है। इसके अलावा सौर, जल और पवन ऊर्जा का विस्तार किया गया है। रेलवे का लगभग शत-प्रतिशत विद्युतीकरण किया गया और मेट्रो जैसे सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाया गया है।

'मध्यम वर्ग को बिजली का उत्पादक भी बना रहे'

पीएम मोदी ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा का एक अहम पहलू बिजली का उत्पादन है। भारत सौर ऊर्जा समेत नए ऊर्जा समाधानों की तकनीक में नेतृत्व हासिल करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं के कारण नागरिक अब सिर्फ बिजली के उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक भी बन रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि मध्यम वर्ग की बचत बढ़े और उसकी क्रय क्षमता मजबूत हो। इससे लोग अपने परिवार के सपने पूरे करने के साथ देश की आर्थिक प्रगति में भी भागीदार बन सकेंगे।

राज्यपाल सुधा यादव के जीवन का किया जिक्र

अपने संबोधन की शुरूआत में प्रधानमंत्री मोदी ने कर्नाटक की राज्यपाल सुधा यादव के जीवन और उनके परिवार के योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध में सुधा यादव के पति ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था। इसके बाद भी उन्होंने देश सेवा का अपना संकल्प जारी रखा।

पीएम मोदी ने कहा कि सुधा यादव ने संसद में रहते हुए कई विषयों पर मार्गदर्शन दिया और अब कर्नाटक के लोगों के सुख, शांति और समृद्धि के लिए योगदान दे रही हैं। प्रधानमंत्री ने उन्हें शुभकामनाएं भी दीं। -

'मूल से ज्यादा ब्याज प्यारा', पोती को गोद में उठाकर सीएम योगी से बोले शिवराज, सभी के चेहरे पर आई मुस्कान

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मां के निधन के बाद भोपाल में आयोजित तेहरवीं कार्यक्रम में देशभर के कई बड़े नेता पहुंचे. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कार्यक्रम में शामिल होकर दिवंगत काशी बाई को श्रद्धांजलि दी. इसी दौरान चौहान परिवार का एक आत्मीय पल कैमरे में कैद हो गया. जहां शिवराज अपनी पोती इला को खिलाते हुए नजर आए.

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मां की तेरहवीं पर कई प्रदेशों के मुख्यमंत्री पहुंचे. यह कार्यक्रम होशंगाबाद रोड स्थित वृंदावन गार्डन में रखा गया था. नेताओं के अलावा समर्थक और कई वरिष्ठ नेता भी इस कार्यक्रम में पहुंचे थे. बाद में जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वहां पहुंचे, तो एक अलग ही नजारा देखने को मिला.

कार्यक्रम में शिवराज सिंह चौहान अपने बेटे कार्तिकेय, बहू अमानत और



नन्हीं पोती इला के साथ मौजूद थे. इसी दौरान उनकी नजर पोती पर पड़ी तो उन्होंने उसे प्यार से गोद में उठा लिया. दादा की गोद में पहुंचते ही नन्हीं इला भी सहज नजर आई.

पोती को गोद में खिलाते नजर आए शिवराज सिंह चौहान

पास ही खड़े योगी आदित्यनाथ को देखकर शिवराज ने मुस्कुराते हुए एक ऐसी बात कही, जिसने माहौल को खुशनुमा बना दिया. उन्होंने सीएम योगी से कहा कि मूल से ज्यादा ब्याज प्यारा होता है. शिवराज की इस बात का इशारा पोती के प्रति दादा-दादी के खास लगाव की तरफ था. उनकी बात सुनकर वहां मौजूद लोग मुस्कुरा उठे. सीएम योगी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए.

इसके बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी नन्हीं इला को अपनी गोद में उठा लिया. योगी के साथ बच्ची का यह पल भी कैमरे में कैद हो गया. लेकिन कुछ ही देर में इला अपने दादा शिवराज सिंह के पास जाने के लिए मचलने लगी.

सभी के चेहरे पर आई मुस्कान

आमतौर पर राजनीतिक कार्यक्रमों में नेताओं की मुलाकात, चर्चा और औपचारिक तस्वीरें ही सुर्खियां बनती हैं. लेकिन भोपाल के इस कार्यक्रम में एक छोटी बच्ची की मासूमियत ने माहौल को बिल्कुल अलग रंग दे दिया. एक तरफ शिवराज सिंह चौहान अपनी मां को खोने के दुख से गुजर रहे थे, तो दूसरी तरफ परिवार के बीच पोती के साथ बिताए इन चंद पलों ने चेहरे पर मुस्कान ला दी.

बीबीएयू के विधि विभाग ने ग्राम गहरू में आयोजित किया विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर

ग्रामीणों को संवैधानिक अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता और कानूनी उपायों की दी जानकारी

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ के विधि विभाग के विधिक सेवा केंद्र की ओर से सरोजिनी नगर स्थित ग्राम गहरू में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विधि विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) सुदर्शन वर्मा के निर्देशन में किया गया।शिविर में विधिक सेवा केंद्र के संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. अनीस अहमद एवं डॉ. मुजीबुर रहमान ने ग्रामीणों को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका तथा दैनिक जीवन से जुड़े विभिन्न कानूनी पहलुओं की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के कानूनी अधिकारों पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम में विधि विभाग के बी.बी.ए. एल.एल.बी. (ऑनर्स) के सातवें सेमेस्टर के छात्र सार्थक चंद्रा एवं आयुष कुमार ने भी ग्रामीणों को सरल भाषा में विभिन्न कानूनी प्रावधानों, उनके अधिकारों और उपलब्ध कानूनी उपायों के बारे में विस्तार से बताया। वहीं, विभागीय कर्मचारी धर्मेंद्र यादव ने कार्यक्रम के संचालन एवं ग्राम स्तर पर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।शिविर के दौरान ग्रामीणों से संवाद कर उनकी कानूनी समस्याओं को सुना गया और उन्हें आवश्यक कानूनी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही, पात्र व्यक्तियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया।इस अवसर पर विधिक सेवा केंद्र की ओर से बताया गया कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों तक कानूनी जानकारी पहुंचाना, उनमें अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करना है। यह शिविर विश्वविद्यालय की सामाजिक जिम्मेदारी और विधिक जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

कर्नाटक : मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी से 22,400 करोड़ रुपये का सूखा राहत पैकेज जारी करने का किया आग्रह, गन्ना किसानों की मांगें भी उठाईं

(जीएनएस)।

बेंगलुरु : कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राज्य के लिए मांगी गई 22,400.58 करोड़ रुपये की सूखा राहत राशि जल्द जारी करने का आग्रह किया है। इसके साथ ही उन्होंने गन्ने की कीमत, चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य (टरढ) और एथेनॉल आवंटन से जुड़ी मांगें भी उठाईं। शुक्रवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु (क्क्टइ) में प्रधानमंत्री मोदी को ज्ञापन सौंपते हुए शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक में पिछले 70 वर्षों में दूसरी सबसे कम बारिश दर्ज की गई है। इसके चलते राज्य की 240 में से 226 तालुकों को सूखाग्रस्त घोषित करना पड़ा। उन्होंने बताया कि करीब 58 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें बर्बाद हुई हैं, जिससे अनुमानित 62,482 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

राज्य सरकार ने राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (NDRF) के तहत 22,400.58 करोड़ रुपये की सहायता मांगी है। शिवकुमार ने सूखे से प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने के लिए इस सहायता को जल्द मंजूरी देने और राशि जारी करने की मांग की। मुख्यमंत्री ने गन्ना उत्पादक किसानों की मांगों को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि, किसान वर्ष 2026-27 के सीजन के लिए गन्ने का मूल्य 5,500 रुपये प्रति टन चाहते हैं, जबकि वर्तमान उचित एवं लाभकारी मूल्य (FRP) 3,650 रुपये प्रति टन है।

ड्रैल्लटंल्ल्रि हैं३२अस्रस्र उैल्लल्ली'

शिवकुमार ने केंद्र सरकार से



चीनी का न्यूनतम बिक्री मूल्य (MSP) संशोधित करने का भी आग्रह किया। यह मूल्य वर्ष 2019 से 31 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर है। इसके अलावा उन्होंने कर्नाटक को इथेनॉल आवंटन में उचित हिस्सा देने की मांग की। इस अवसर पर शिवकुमार ने भारत के औद्योगिक, वैज्ञानिक और तकनीकी विकास में कर्नाटक के योगदान को भी रेखांकित किया। उन्होंने बिजली उत्पादन, विमान निर्माण, औद्योगिक नीति और स्टार्टअप क्षेत्र में राज्य की शुरूआती उपलब्धियों का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि, शिवनसमुद्र में वर्ष 1902 में एशिया की पहली बिजली उत्पादन परियोजना शुरू हुई थी, जिससे कोलार गोल्ड फील्ड्स को बिजली की आपूर्ति की जाती थी। बेंगलुरु देश का पहला विद्युतीकृत शहर बना था। वहीं, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) द्वारा स्थापित भारत की पहली विमान निर्माण इकाई भी कर्नाटक में है। मुख्यमंत्री ने बेंगलुरु को तकनीक और अनुसंधान के प्रमुख केंद्र के रूप में भी पेश किया। उन्होंने कहा कि शहर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और मशीन लर्निंग (ML) के विशेषज्ञों की दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी प्रतिभा उपलब्ध है। वहीं, बीजिंग के बाद एशिया का दूसरा सबसे बड़ा अक-नेटिव क्लस्टर भी बेंगलुरु में है। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नाटक में भारत का सबसे बड़ा चिप-डिजाइन इकोसिस्टम मौजूद है।

शिवकुमार के मुताबिक, राज्य में हर साल 1.5 लाख से अधिक इंजीनियर स्नातक होते हैं। कर्नाटक के औद्योगिक कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी 37 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय औसत 18 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि कुल निर्यात और प्रतिभा के सकारात्मक संतुलन के मामले में कर्नाटक देश में पहले स्थान पर है। वहीं, पिछले पांच वर्षों के दौरान जीएसटी संग्रह और कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) के मामले में राज्य दूसरे स्थान पर रहा है।

केंद्र और राज्य के बीच बेहतर सहयोग की वकालत करते हुए शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक देश के विकास के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। बसवन्ना के 'कर्म ही पूजा है' के दर्शन और भगवद्गीता में कर्तव्य पालन के संदेश का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकारों को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर जनकल्याण को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कवि कुवेम्पु की 'विश्वमानव' की अवधारणा का भी उल्लेख किया। शिवकुमार ने कहा कि शासन व्यवस्था को संकीर्ण विभाजनों से ऊपर उठकर नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता सुधारने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

यूपी एसआईआर पर सीएम योगी के दावों पर असदुद्दीन ओवैसी का बड़ा बयान, 'चुनाव आयोग बताए' किन के नाम हटाये

असदुद्दीन ओवैसी ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान पर कहा कि चुनाव आयोग ने एसआईआर में 2 करोड़ 89 लाख लोगों का नाम डिलीट कर दिया है. जिनके नाम डिलीट हुए हैं, उनके नाम हमें चुनाव आयोग दे.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर पर विपक्ष के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सवाल उठाए हैं. इस बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सीएम योगी के बयान की तरफ इशारा करते हुए कहा कि चुनाव आयोग को पूरी बात बतानी चाहिए.

ओवैसी ने लखनऊ में एआईएमआईएम और आजाद समाज पार्टी के बीच गठबंधन का ऐलान करते हुए कहा, "योगी जो कह रहे हैं एक करोड़ 27 लाख नाम हटे हैं. इलेक्शन कमिश्नर से जानना चाहते हैं, जो मुख्यमंत्री कह रहे हैं, इसकी लिस्ट हमें भी दे दे. मुख्यमंत्री कह रहे हैं मेजॉरिटी कम्युनिटी का नाम डिलीट हो गया है."

जिनके नाम डिलीट हुए, वो लिस्ट दे आयोग- ओवैसी



उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "बाबा यह फिगर कैसे कैलकुलेट किए हम जानते हैं. बाबा के पास मैथमेटिक्स की ढलऊ है. इसमें कितने बांग्लादेशी और पाकिस्तानी हैं, कितने लोगों को नॉन इंडियन सिटिजन करार दिया गया. भारत के सबसे बड़े प्रदेश का मुख्यमंत्री कह रहा है, चुनाव आयोग बताए."

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, "यूपी में चुनाव आयोग ने 2 करोड़ 89 लाख लोगों का नाम डिलीट कर दिया है. जिनके नाम डिलीट हुए हैं, उनके नाम हमें चुनाव आयोग दे. बाबा नंबर तो बता रहे हैं, लेकिन किसी पार्टी के वोटर का नाम काटा गया, ये नहीं बता रहे हैं. चुनाव आयोग से हमारा सवाल है, हमें आयोग गाइड करे."

ओवैसी ने कहा कि हमने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से जुड़े कानून का विरोध किया था. मैंने कहा कि एसआईआर बैकडोर एनआरसी है.

सीएम योगी ने क्या कहा था?

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंडिया टुडे ग्रुप से बातचीत में कहा था कि यूपी में एसआईआर से पहले जितने मुस्लिम मतदाता थे, उनमें 1.65 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. चुनाव आयोग में हमने मेमोरेंडम दिया. आखिर किन कारणों से ये हुआ.

सीएम योगी ने कहा, "यूपी के पंचायत चुनाव में नाम है, लेकिन चुनाव आयोग की लिस्ट में नाम नहीं है. ये गायब कैसे हुए हैं. ये 66 लाख हैं. 55 लाख वो हिंदू मतदाता हैं जो, सरकार की लाभकारी योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं, लेकिन उनके नाम वोटर लिस्ट में गायब हैं. 18-19 साल के ऐसे साढ़े चार लाख मतदाता हैं, जिनके नाम मतदाता सूची से गायब हैं."

निगोहां पुलिस ने भटकी युवती को सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया

लखनऊ, निगोहां पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने तत्परता और संवेदनशीलता दिखाते हुए रास्ता भटककर कस्बे में घूम रही युवती को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। युवती के सुरक्षित मिलने पर परिजनों ने पुलिस टीम का आभार जताया।पुलिस के मुताबिक, 13 नवंबर को मिशन शक्ति टीम निगोहां कस्बे में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं की जांच कर रही थी। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने टीम को सूचना दी कि एक युवती परेशान हालत में अकेले घूम रही है और संभवतः रास्ता भटक गई है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवती को सुरक्षा की दृष्टि से थाने ले आई।महिला पुलिसकर्मियों ने संवेदनशीलता के साथ युवती से बातचीत की। पूछताछ में उसने अपनी उम्र करीब 18 वर्ष और पता ग्राम झरवलिया, पोस्ट ओडवलिया, जनपद महाराजगंज बताया। पुलिस ने तत्काल उसके परिजनों से संपर्क कर सूचना दी। इसके बाद युवती की मां निर्मला अपने साथ अनिल कुमार गुप्ता को लेकर थाना निगोहां पहुंचीं। परिजनों से पहचान और आवश्यक तस्दीक कराने के बाद पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर युवती को उसकी मां के सुपुर्द कर दिया।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि किसी बात पर मां की डांट से नाराज होकर युवती 12 नवंबर को बिना बताए घर से चली आई थी। युवती के सकुशल मिलने पर परिजनों ने मिशन शक्ति टीम की तत्परता, संवेदनशीलता और मानवीय कार्यशैली की सराहना की। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक राजेश कुमार दीक्षित, महिला कांस्टेबल तारावती और पूजा सिंह शामिल रहीं।

जलियामऊ में युवक ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

(जीएनएस)।

लखनऊ, जलियामऊ गांव में शुक्रवार को एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों की मदद से शव को नीचे उतरवाया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। घटनास्थल का निरीक्षण कर फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य भी जुटाए।पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान सोनू धीमान (30) पुत्र जगरूप कोरी निवासी ग्राम जलियामऊ के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सोनू ने बांस की सीढ़ी के सहारे छत के कुंडे में रस्सी बांधकर फांसी लगाई थी। घटना की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई गई है। फील्ड यूनिट ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर भौतिक एवं वैज्ञानिक साक्ष्य संकलित किए।प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक सोनू की शादी करीब चार वर्ष पहले हुई थी। वह मजदूरी करता था और अपने माता-पिता से अलग मकान में रहता था। उसकी पत्नी लाली उर्फ विटान घटना के समय अपने मायके दुगार्गंज, काकोरी गई हुई थी। सूचना मिलने पर वह अपने भाई और अन्य परिजनों के साथ गांव पहुंच गई। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

छह माह के लिए जिला बदर अभियुक्त आदेश का उल्लंघन कर लखनऊ में मिला, बंथरा पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ, बंथरा पुलिस ने जिला बदर आदेश का उल्लंघन करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। छह माह के लिए लखनऊ की सीमा से निष्कासित किए जाने के बावजूद अभियुक्त प्रतिबंधित अवधि में जनपद की सीमा के अंदर पाया गया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उसे गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक, कस्बा बंथरा निवासी आदित्य द्विवेदी (33) पुत्र कृष्ण कुमार द्विवेदी को संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) लखनऊ के आदेश पर 16 सितंबर 2026 को छह माह के लिए जिला बदर किया गया था। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम 1970 की धारा 3 के तहत वाद संख्या 107(25)/2026 में कार्रवाई की गई थी।

इसके बावजूद 12 नवंबर 2026 को मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस ने आदित्य द्विवेदी को लखनऊ की सीमा के अंदर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त ने जिला बदर आदेश की प्रतिबंधित अवधि के दौरान जनपद की सीमा में प्रवेश कर आदेश का उल्लंघन किया है।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ बंथरा, चिनहट और निगोहां थानों में पॉक्सो एक्ट, लूट, मारपीट, छेड़छाड़, एससी-एसटी एक्ट और उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं में पांच मुकदमे दर्ज हैं।यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त लखनऊ तरुण गाबा के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध विरोधी अभियान के तहत डीसीपी दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देशन, एडीसीपी दक्षिणी रल्लापल्ली वसंथ कुमार के पर्यवेक्षण और एसीपी कृष्णानगर लक्ष्मन वर्मा के मार्गदर्शन में की गई। गिरफ्तारी करने वाली टीम का नेतृत्व बंथरा प्रभारी निरीक्षक राणा राजेश कुमार सिंह ने किया।

10 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ निगोहां पुलिस ने शातिर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

(जीएनएस)।

लखनऊ। निगोहां पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से प्लास्टिक की पिपिया में करीब 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान जमुना प्रसाद रावत (45) पुत्र स्वर्गीय राम रावत निवासी ग्राम व थाना निगोहां, लखनऊ के रूप में हुई है।पुलिस के मुताबिक, 12 नवंबर 2026 को निगोहां पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने अभियुक्त को चेक किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से करीब 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई।इस मामले में थाना निगोहां में मु0अ0सं0 162/2026 धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ पूर्व में भी आबकारी अधिनियम के तहत चार मुकदमे दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2020 के दो, वर्ष 2025 का एक और वर्ष 2026 का एक मुकदमा शामिल है।यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त लखनऊ तरुण गाबा के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत डीसीपी दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देशन में की गई। गिरफ्तारी करने वाली टीम का नेतृत्व निगोहां थानाध्यक्ष रवीन्द्र कुमार ने किया।